हमारा जिला अस्पताल

प्रकाशन-

साथी (Support for Advocacy & Training to Health Initiatives)

फ्लॅट नं. ३-४, अमन-ई टेरेस, प्लॉट नं. १४०, डहाणूकर कॉलनी
कोथरूड, पुणे-३८, फोन - ०२० २५४७२३२५/२५४७३५६५

E-mail- sathicehat@gmail.com
website- www.sathicehat.org

स्वास्थ्य सेवा का हक माने क्या?

स्वास्थ्य सेवा याने की...

भारत देश के सभी नागरिकों को सन्मान के साथ जीने के लिए उपरोक्त स्वास्थ्य सेवाओं का हक मिलना चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा का हक माने क्या?

महिला

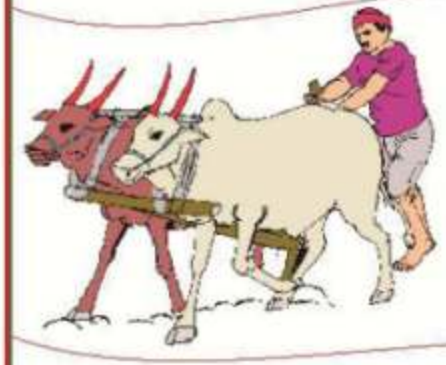

ग्रामीण

गरीब

सभी को स्वास्थ्य सेवा का
समान/बराबर हक
होना चाहिए।

पुरुष

शहरवासी

अमीर

इनमें से किसी के भी साथ भेदभाव न करते हुए,
स्वास्थ्य सेवा मिलना प्रत्येक व्यक्ती का हक है।

प्रायवेट अस्पताल– गरीब लोगों की हैसियत से बहुत महँगे

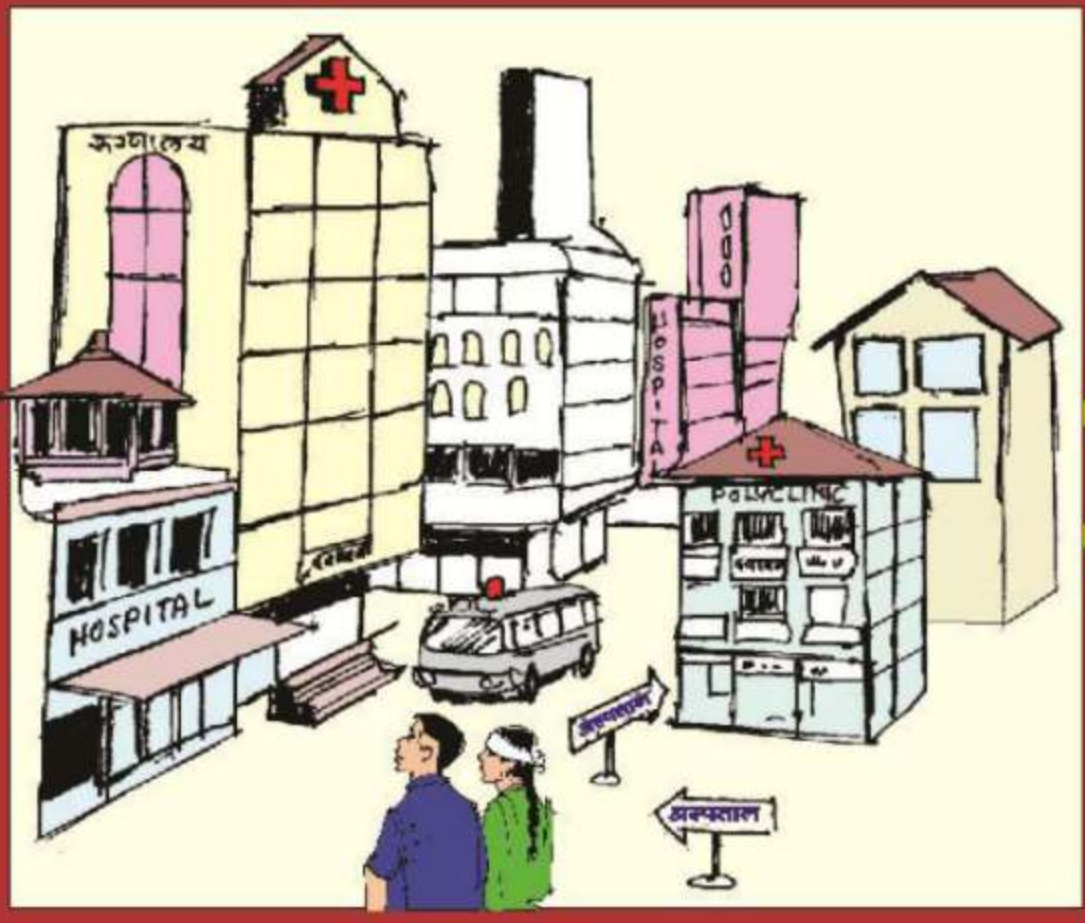

महँगी फीस, गैरज़रूरी जाँच और उपचार आदि करके मरीज़ को प्रायवेट अस्पताल में अक्सर फंसाया जाता है।

प्रायवेट अस्पताल– गरीब लोगों की हैसियत से बहुत महँगे

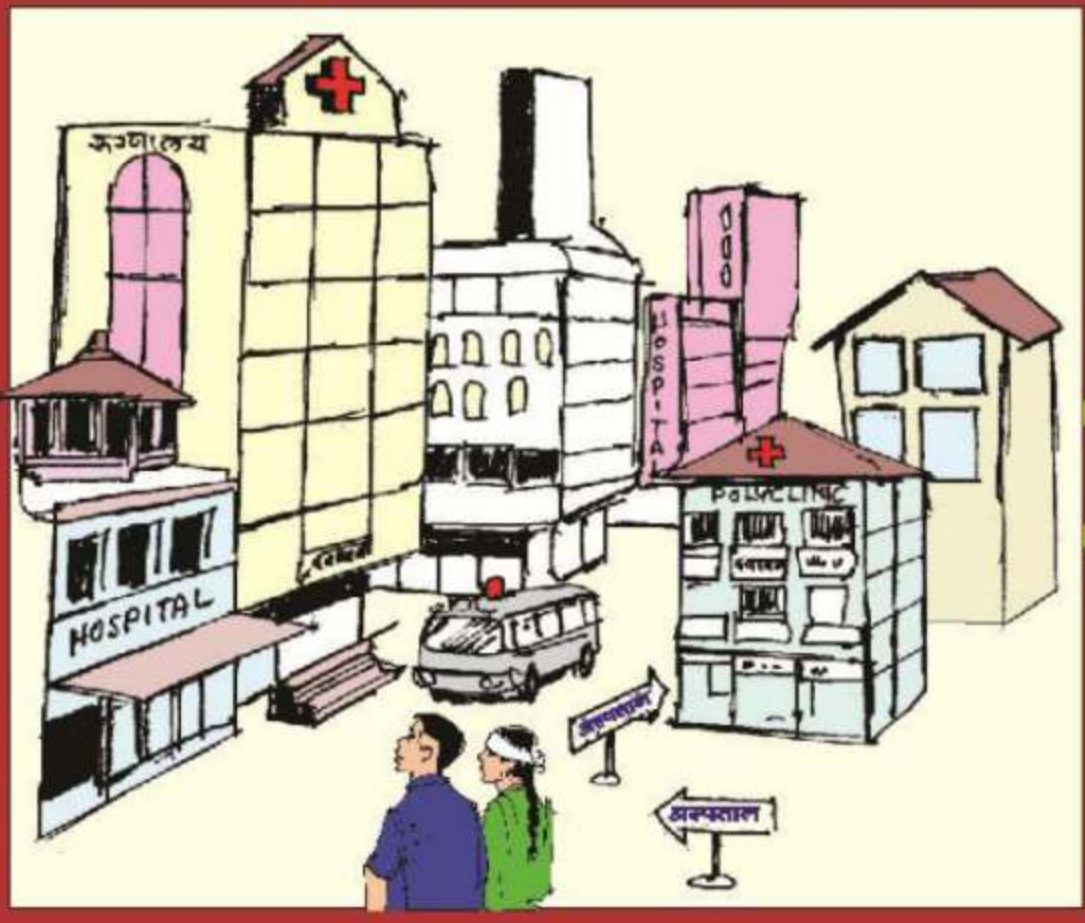

महँगी फीस, गैरज़रूरी जाँच और उपचार आदि करके मरीज़ को प्रायवेट अस्पताल में अक्सर फंसाया जाता है।

प्रायवेट अस्पताल– अमीर लोगों को सेवा– गरीबों को इन्कार

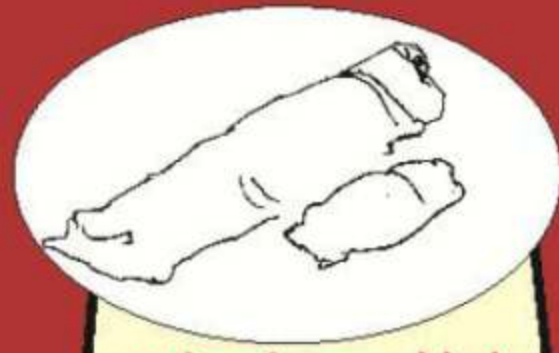

प्रसूति सुविधा न होने से लाखों जच्चा-बच्चा इस दुनिया से विदा हो जाते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा भी न मिल पाने के कारण लाखो लोगों की दस्त, मलेरिया जैसे संक्रामक रोगों से हर साल मौत होती हैं।

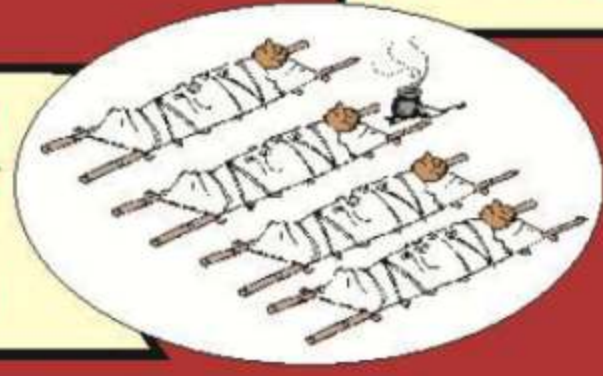

इन मौतों के लिए हमारी व्यवस्था जिम्मेदार है।

सरकारी स्वास्थ्य सेवा आज क्यों बदतर है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार राष्ट्रीय आय की ५ प्रतिशत राशि सरकार को स्वास्थ्य पर खर्च करनी चाहिए। पर सरकार स्वास्थ्य पर कम खर्च करती है, इस कारण स्वास्थ्य सेवाएँ बदतर हुई हैं।

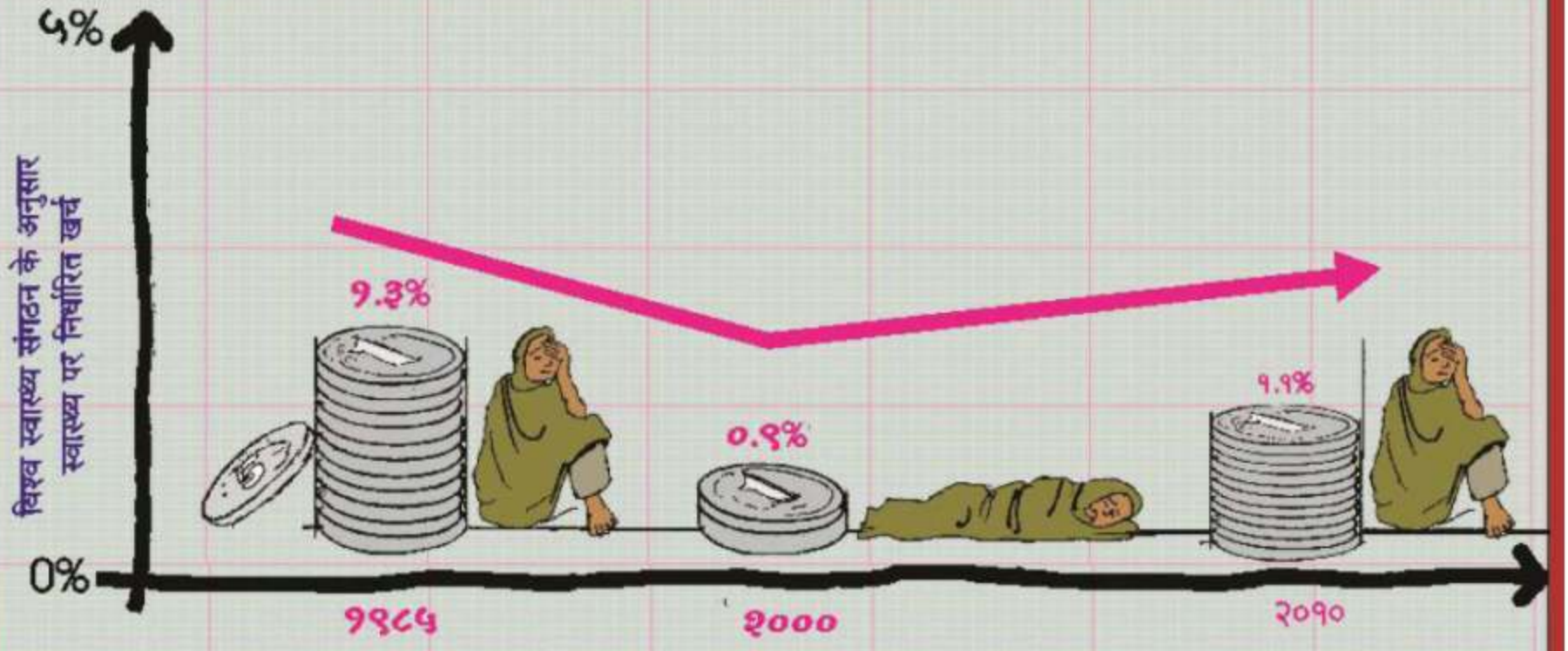

सरकारी स्वास्थ्य सेवा आज क्यों बदतर है?

सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की कमी

सरकारी अस्पतालों में दवाओं, जाँच की सुविधा और उपकरणों की कमी

नेताओं/सरकार द्वारा ध्यान न देने और अधिकारियों द्वारा इमानदारी से काम न करने की प्रवृत्ति की वजह से सरकारी सेवाओं की स्थिति बदतर हुई है।

सरकारी स्वास्थ्य सेवा आज क्यों बदतर है?

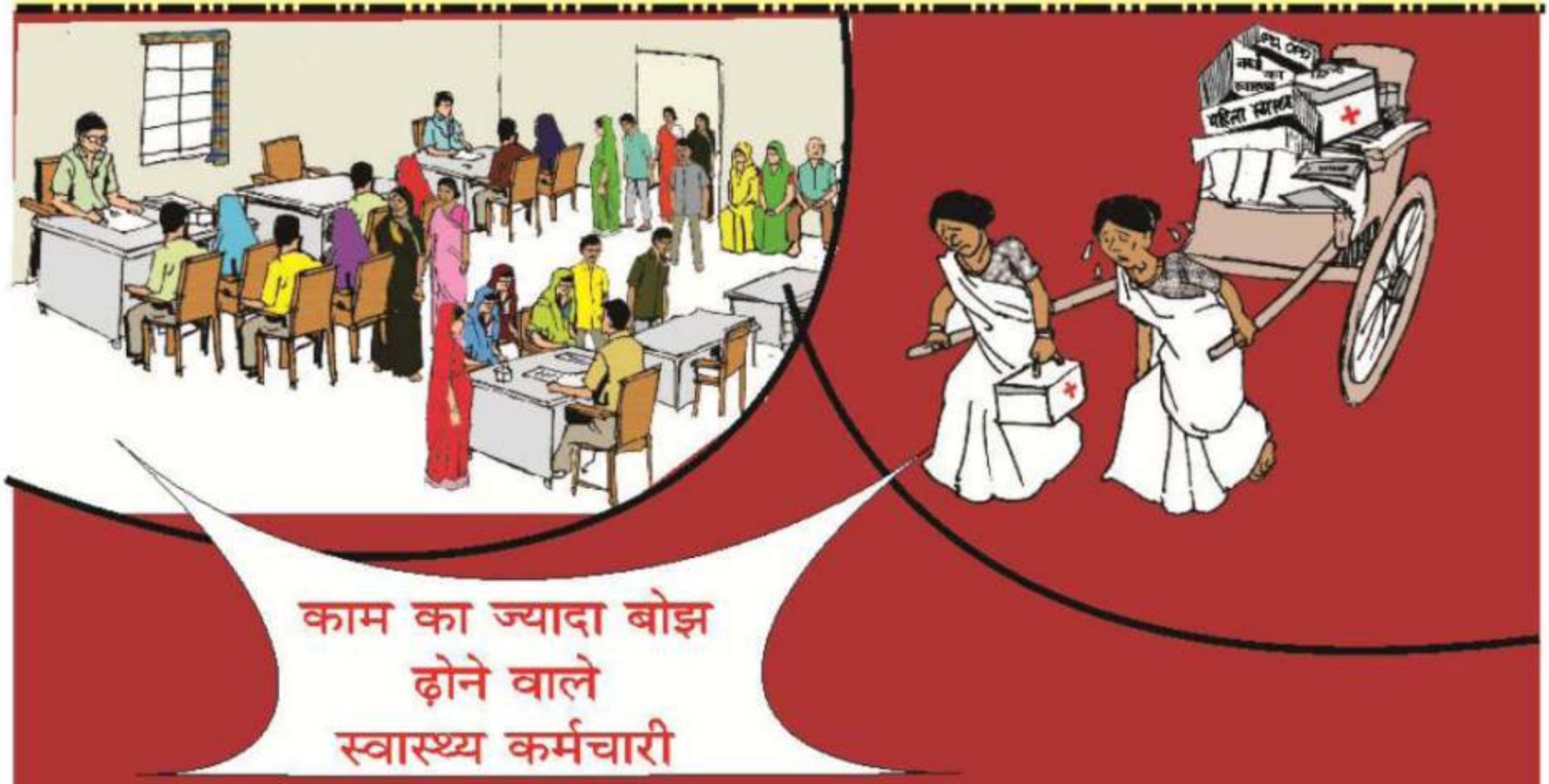

खाली पदों पर नियुक्ति न करते हुए, वर्तमान
कर्मचारियों को ज्यादा काम का बोझ...

सरकारी स्वास्थ्य सेवा आज क्यों बदतर है?

कुछ कर्मचारी मरीज के साथ अपमानजनक व्यवहार करते हैं।

बिना जाँच किए इलाज करना और गरीब लोगों की ओर ध्यान न देना।

इन कारणों से लोगों का सरकारी अस्पतालों पर से विश्वास कम हो गया है।

यह स्थिति बदलने के लिये...

अच्छी और मुफ्त
सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ

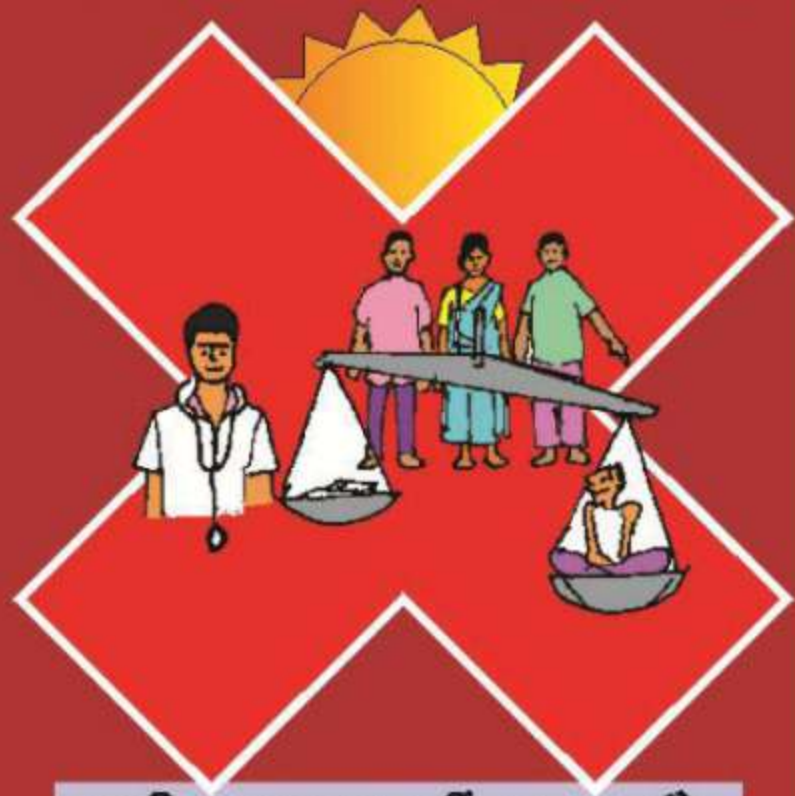

मरीज़ ग्राहक नहीं, इन्सान है
ऐसा विचार होना चाहिये।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और प्रायवेट डाक्टरों पर
सामाजिक नियंत्रण यह जनता के लिये हितकर और ज़रूरी है।

जिला अस्पताल मे यह सुविधाएँ मुफ्त मिलनी चाहिए

५७ डॉक्टर में से ३०
विशेषज्ञ डॉक्टर

सभी सामान्य प्रकार के
आपरेशन की सुविधा

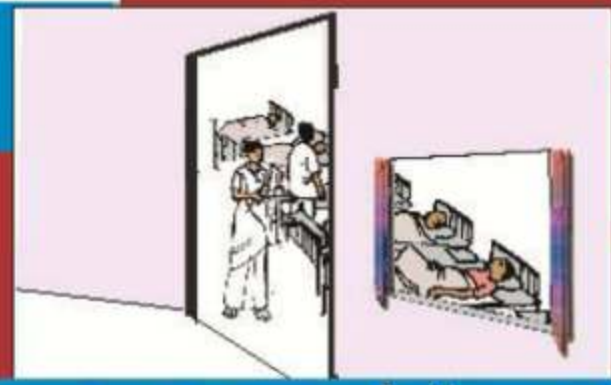

एक साथ २७० मरीजों तक को
भरती करने की पूरी व्यवस्था

जिला अस्पताल में कर्मचारी, दवाएं, आवश्यक उपकरण, वाहन आदि की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सिविल सर्जन की होती है।

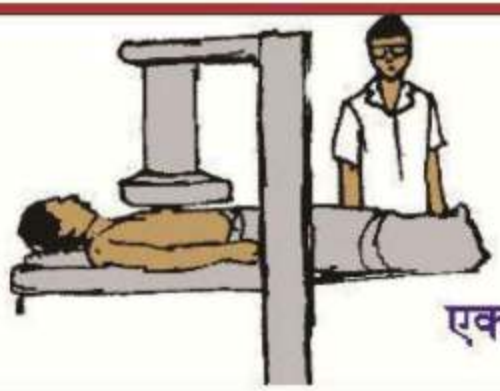

एक्स-रे

सोनोग्राफी

ब्लड बैंक

बलगम की जाँच

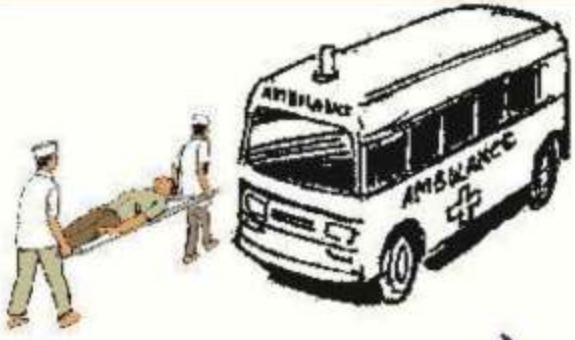

एम्ब्युलेन्स

जिला अस्पताल मे यह सुविधाएँ मुफ्त मिलनी चाहिए।

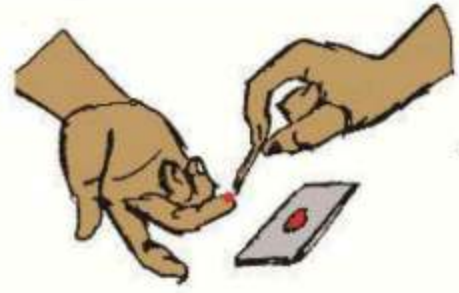

खून, पेशाब की जाँच

जिला अस्पताल मे यह सुविधाएँ मुफ्त मिलनी चाहिए

- बुखार, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, महिला और बच्चों की बीमारियों का इलाज और दवाएँ
- हर्निया, अल्सर आदि के लिए ऑपरेशन की सुविधा
- यौन रोग, त्वचा (चमड़ी) के रोग, और कुपोषण से पैदा हुई बीमारियों का इलाज
- जहर पीने, जलने, हड्डी टूटने, एक्सिडेण्ट जैसी दुर्घटनाओं का इलाज

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपचार -

मलेरिया, टी.बी., कुष्ठरोग, हाथी पाँव रोग, मोतियाबिन्द आदि के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करना और रोगियों का मुफ्त इलाज करना।

जिला अस्पताल– महिला स्वास्थ्य सेवाएँ

प्रसूति सेवा और प्रसव पश्चात इलाज

सिजेरियन ऑपरेशन

महिला संबंधित अन्य बीमारियों (कमजोरी, कमर दर्द, बदन दर्द इ.) का इलाज

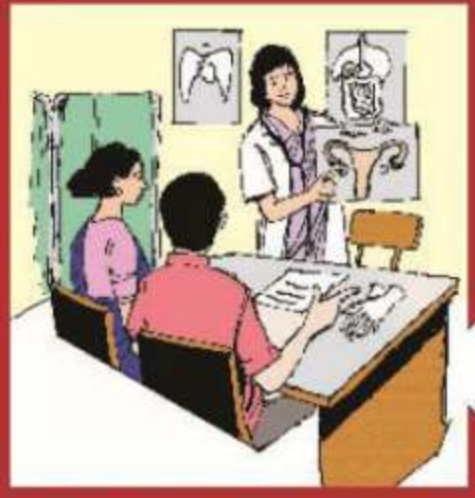

प्रजनन तथा यौन रोग संबंधित सेवा

महिला स्वास्थ्य संबंधित सभी बीमारियों का इलाज एवं दवाईयाँ जिला अस्पताल में २४ घण्टे मुफ्त मिलनी चाहिए।

जिला अस्पताल– बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ

बच्चों को होने वाली बीमारियों की आवश्यक जाँच और इलाज

बाल शक्ती केन्द्र - कुपोषित बच्चों को भर्ती करने के लिए अलग वार्ड की सुविधा

टीकाकरण

नवजात/शिशु गहन-चिकित्सा इकाई (N.I.C.U.)

नवजात शिशु के लिए अलग वार्ड, नवजात शिशु संबंधी आवश्यक उपकरण सुविधा एवं बच्चो को होनीवाली बीमारियों का इलाज, यह सेवाएँ जिला अस्पताल में २४ घंटे मुफ्त मिलनी चाहिए।

जिला अस्पताल की समस्याएँ

गरीब परिवार को इलाज के दौरान कई सारे रूपये खर्च करने पड़ते है। अधिकांश दवाईयाँ बाजार से लानी पड़ती है।

अस्पताल में निरक्षर मरीज़ को कौनसी जाँच कहाँ होती है कौन से डॉक्टर से इलाज करवाया जाए, यह समझ में नहीं आता।

आदिवासी बहुल जिला होने के कारण निरक्षरो की संख्या अधिक है। अस्पताल में मरीज़ो की सहायता के लिए कोई व्यवस्था भी नहीं है।

जिला अस्पताल की समस्याएँ

अस्पताल में मरीज़ों को जाँच की सुविधा नियमित नहीं मिलती।

(अ) सोनोग्राफी (अल्ट्रासाउण्ड) की सुविधा मात्र तीन दिन उपलब्ध है।

(ब) सी.टी. स्केन के लिए मरीज़ों को निजी केन्द्रो पर भेजा जाता है।

अस्पताल में महिलाओं की जाँच के लिए अलग से कक्ष अथवा व्यवस्था नहीं है।

प्रसूति के दौरान महिला के साथ आये परिजनों के रूकने के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था नही हैं।

जिला अस्पताल की समस्याएँ

प्रसूति वार्ड से 'नवजात शिशु गहन देखरेख युनिट' की दूरी १०० मी. है, जिसके कारण प्रसूता महिलाओं को चलकर एवं सीढ़ियां चढ़कर ऊपर जाना पड़ता हैं।

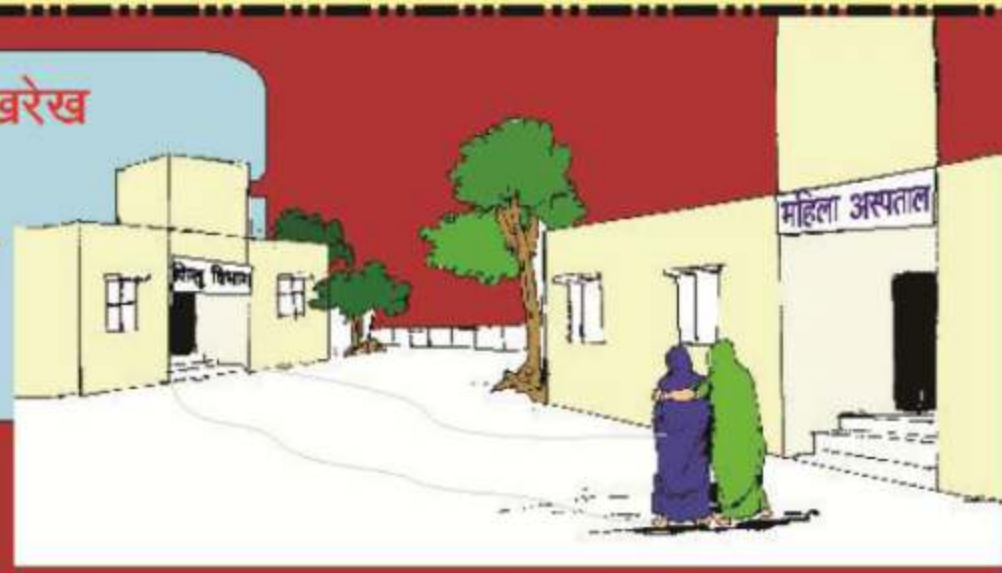

अस्पताल में भर्ती मरीज़ों को पौष्टिक व पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है।

अस्पताल के शौचालयों में साफ-सफाई नहीं रहती हैं।

हमारी मांगें...

जिला अस्पताल में सभी प्रकार की दवाईयाँ मुफ्त मिलनी चाहिए। अगर अतिआवश्यक जरूरी दवाईयाँ मंगवाने की जरूरत हो तो, रोगी कल्याण समिती से उपलब्ध करवानी चाहिए।

सभी बीमारियों का नियमित इलाज होना चाहिए। अस्पताल में सभी प्रकार की जाँच की मुफ्त और नियमित व्यवस्था होनी चाहिए।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक शुल्क की राशि कम की जानी चाहिए।

अस्पताल में लूट बन्द करो।
मरीज़ का पूरा इलाज मुफ्त करो।

हमारी मांगें...

मरीज़ के साथ आये एक सहायक व्यक्ति को भी मुफ्त भोजन दिया जाना चाहिए।

अस्पताल के विभिन्न वार्डों के साथ शौचालय की नियमित साफ-सफाई होनी चाहिए।

जननी एक्सप्रेस वाहन के लिए कॉल सेंटर के अतिरिक्त ड्राईवर का मोबाईल नम्बर भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

जिला प्रशासन द्वारा अस्पताल परिसर में "रैन बसेरा" की शुरूआत कर मरीजो के परिजनों के लिए आवास की व्यवस्था होनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा हमारा अधिकार है।

स्वास्थ्य सेवा का हक प्राप्त करने के लिए, हम मिलकर यह करें!

अपने गाँव या बस्ती में स्वास्थ्य के मुद्दे पर काम करने के लिए एक समुह तैयार कर सकते है।

जिला अस्पताल में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी अपने गांव या बस्ती में दे।

जन स्वास्थ्य समितीद्वारा चलाया जाने वाले रोगी सहायता केंद्र के व्यक्ती को अपनी शिकायत या दिक्कत बता सकते है।

अस्पताल में सेवा न मिलने पर डॉक्टर तथा सिविल सर्जन को शिकायत कर सकते है।

स्वास्थ्य सेवा का हक प्राप्त करने के लिए, हम मिलकर यह करें!

जन स्वास्थ्य समिती बड़वानी के बैठक में जिला अस्पताल संबंधी समस्या बता सकते हैं।

सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ठीक से चलें इसके लिए डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारियों से संवाद कर सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवा के हक के लिए आंदोलन में पहल कर सकते हैं।

अब इकट्ठे हो रहे है, लोग मेरे गाँव के...